ई.एच.डी.-3

09738

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून, 2013

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी

ई.एच.डी.-3 : हिन्दी-साहित्य का इतिहास एवं साहित्य-परिचय

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रथम प्रश्न **अनिवार्य** है। सभी प्रश्नों के अंक **समान** हैं।*

---

1. रस का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसके विभिन्न अंगों का विवेचन कीजिए। **20**

अथवा

बिम्ब का अभिप्राय बताते हुए उसके भेदों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

काव्य-हेतुओं पर विचार कीजिए।

2. आदिकाल की परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए। **20**

3. भक्तिकाव्य की सामान्य विशेषताओं का विवेचन कीजिए। **20**

4. भक्तिकालीन निर्गुण संत परंपरा का परिचय दीजिए। 20

5. रीतिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए। 20

6. भारतेन्दु युगीन हिन्दी साहित्य की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 20

7. प्रगतिवादी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों पर विचार कीजिए। 20

8. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी के विकास पर प्रकाश डालिए। 20

9. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** पर टिप्पणी लिखिए। 2x10=20

(क) मार्क्सवाद

(ख) श्रृंगारपरक रासो काव्य

(ग) श्रृंगार रस

(घ) उपमा अलंकार

(ङ) स्वतंत्रता पूर्व हिन्दी रंगमंच का विकास